26 OCT 3 2026.qxd 25-10-2026 23:10 Page 1

पीईटी परीक्षामें पहले दिन १०,५९७ अभ्यर्थी गैरहाजिर

अब ३० अक्तूबर एवं १ नवम्बर को होगी प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा

प्रदेश में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ। जिले में कुल ४८ केंद्रों पर पीईटी परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें पहले ही दिन दोनों पालियों में १०,५९७ अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। जिले में पीईटी परीक्षा के लिए कुल १८,९१२ अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। पहली पाली में



१३,५३२ अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि ५,३८० अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में १३,६९५ अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और ५,२१७ अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में कुल २७,२२७ अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि १०,५९७ अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती रही। जानकारी के मुताबिक परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की कड़ी जांच की गई। एडमिट कार्ड और आधार कार्ड के मिलान के साथ-साथ बायोमीट्रिक, चेहरे की स्कैनिंग और फेस-रेटिना स्कैन के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने दिया गया। कई केंद्रों पर प्रशासन की सख्ती का असर साफ देखने को मिला। परीक्षा में शामिल होने आईं लड़कियों के कलावा काटे गए, बालियां और हेयर पिन उतरवाए गए, जबकि लड़कों के जूते-मोजे भी उतरवाए गए। महिलाओं ने अपनी पायल और गले की चेन उतारकर अपने परिजनों को सौंपी। इसके अलावा अभ्यर्थियों के रुमाल भी केंद्र के बाहर ही रखवा लिए गए। कुछ लड़कों ने दांत से कलावा काटा और उनकी बेल्ट भी उतरवाई गई। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई तो वह घबरा गई। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने उसे अपनी बाइक से सही परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। दूसरी पाली की परीक्षा मध्यम रही पेपर का स्तर सामान्य रहा। प्रयागराज की अभ्यर्थी रामा का कहना था कि पेपर का स्तर मध्यम था, जिसे न तो बहुत कठिन कहा जा सकता है और न ही बहुत आसान। सामान्य ज्ञान और करेंट अफेयर्स के सवाल पाठ्यक्रम के अनुसार अच्छे थे, हालांकि गणित में डेटा इंटरप्रिटेशन के कुछ सवालों ने जरूर उलझाया। अन्य अभ्यर्थी ने बताया कि उसने करीब ८५ से ८६ प्रश्न हल किए। कहा कि पिछली बार की तुलना में उनका पेपर अच्छा रहा तथा अंग्रेजी का पेपर आसान था। बता दें कि अब आगामी परीक्षाएं ३० अक्टूबर और १ नवंबर को आयोजित होंगी, जो दोनों दिन दो-दो पालियों में संपन्न कराई जाएंगी।

बस अड्डोंपर कम रहा यात्रियोंका दबाव

रविवार को पीईटी की परीक्षा में शामिल होने के लिए शहर में बढ़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंचे। जिससे परिवहन के बस अड्डों पर भीड़-भाड़ बढ़ी। एमजी मार्ग स्थित विद्यावाहिनी बस अड्डे पर परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसों का इंतजाम था, लेकिन सवारियां अधिक नहीं होने से नियमित बसों से यात्रियों को गन्तव्य स्थलों तक पहुंचाया गया। आरक्षित बसे देर शाम तक अड्डे पर ही खड़ी रही। चालक और परिचालक अपनी बसों के लिए सवारियां ढूढते नजर आये। बस अड्डे के कार्यालय में एम्बुलेंस को काल करने के लिए नम्बर लिखा था जिससे जरूरत पड़ने पर आन काल की जा सके। लीडर रोड़, सिविल लाइंस, जीरो रोड़ बस अड्डों पर यात्रियों का दबाव कम दिखा। क्षेत्रीय प्रबंधक रवीन्द्र कुमार सिंह ने बस अड्डे पर पहुंचकर व्यवस्था को परखा। एआरएम जयकरन प्रसाद ने बताया कि परीक्षा के दौरान परिक्षार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किये गये थे। परिवहन निगम के बेडे की बसों और स्टाफ को अलर्ट पर रखा गया था। हमारा उद्देश्य सुनिश्चित करना था कि छात्र बिना परेशानी के समय पर अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंच सके। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए जरूरी इंतजाम किये गये थे।

डीएलएड द्वितीय-चतुर्थ सेमेस्टरकी परीक्षामें ७५.५२ फीसदी पास

परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रयागराज की ओर से डीएलएड द्विवर्षीय पाठ्यक्रम परीक्षा अक्तूबर-२०२६ के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षाफल रविवार को घोषित कर दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर को मिलाकर कुल ४१,६७१ छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जिनमें से ४०,६४० परीक्षार्थी उपस्थित रहे। कुल ३०,६९० छात्र इस परीक्षा में सफल हुए हैं, जिससे कुल उत्तीर्ण प्रतिशत ७५.५२ फीसदी रहा है। जबकि ९७९८ परीक्षार्थी फेल हो गये।द्वितीय सेमेस्टर में कुल १७,४३७ छात्र पंजीकृत थे, जिसमें से १६,९२५ उपस्थित रहे। इस सेमेस्टर का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत ७५.५६३ रहा, जिसमें १२,७८९ परीक्षार्थी पास हुए हैं। इसी तरह चतुर्थ सेमेस्टर में कुल २४,२३४ छात्र पंजीकृत थे और २३,७१५ परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। चतुर्थ सेमेस्टर का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत ७५.४८३ रहा, जिसमें १७,९०१ परीक्षार्थी सफल घोषित किये गये।

सिपाही अजय सिंहकी संदिग्ध दशामें मौत

ई-रिक्शासे अस्पताल लेकर पहुंचे थे लोग, शनिवारको घरसे आया था पुलिसकर्मी, पीएम से खुलेगा मौतका राज

पुलिस लाइन में रह रहे एक निलंबित सिपाही की रविवार सुबह संदिग्धदशा में मौत हो गई। एक अज्ञात ई-रिक्शा से कुछ लोग उन्हें बेहोशी की हालत में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वहां से लोग भाग गये। पुलिस ने अज्ञात के रूप में शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। बाद में पुलिस के ग्रुप में फोटो साझा किए जाने पर उनकी पहचान ५२ वर्षीय अजय सिंह के रूप में हुई। सिपाही की मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिसकर्मी की मौत का कारण पीएम रिपोर्ट आने पर स्पष्ट होगा।



हत अजयकी फाइल फोटो

रायबरेली के हरचंदपुर थानाक्षेत्र के कोडरा गांव के रहने वाला ५२ वर्षीय अजय कुमार सिंह पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर कार्यरत था। वह अमर बहादुर सिंह के दो बेटों में छोटे थे। वह पिछले पांच-सात वर्षों से प्रयागराज में तैनात थे। इससे पहले उनकी तैनाती उरई में थी। वह पुलिस लाइन में रहते थे। कुछ माह पूर्व तक वह डायल ११२ में तैनात थे। वहीं से किसी आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया गया था। भतीजे शुभांशु सिंह के मुताबिक अजय सिंह कुछ दिनों से गांव में थे।

शनिवार सुबह ही वह प्रयागराज लौटे थे। परिवार में पत्नी रंजना सिंह, बेटा अभिजीत सिंह और बेटी आंचल सिंह हैं। अभिजीत गलगोटिया विश्वविद्यालय से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है और बेटी आंचल की बीते मार्च में ही शादी हुई है। पति के मौत की खबर पाकर शहर आईं रंजना सिंह रो-रो कर बेहाल रहीं। अजय सिंह के बड़े भाई संजय कुमार सिंह सेना में थे, जिनका २०२२ में निधन हो गया था। अब सिपाही की मौत कहां हुई वह ई-रिक्शा से जा रहे थे या कहीं बेहोश मिले ऐसी पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि लोग उन्हें कहां से लेकर पहुंचे थे। अस्पताल में छोडकर चले जाने की वजह भी जांच के दायरे में है। इसके लिए अस्पताल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी सुधीर सिंह ने बताया कि सिपाही की पहचान के बाद उनके परिजनों को सूचित किया गया है। अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों का पता लगाया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा।

परीक्षाके मद्देनजर स्पेशल ट्रेनोंका संचालन

भीड़ प्रबंधनके लिए स्टेशनोंपर अतिरिक्त ट्रेनोंकी व्यवस्था एवं विशेष निगरानी

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में उत्तर प्रदेश प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (यूपी पीईटी) के मद्देनजर परीक्षार्थियों की सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। परीक्षार्थियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विभिन्न स्टेशनों से चार परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रमुख स्टेशनों पर नियमित ट्रेनों के माध्यम से भीड़ को नियंत्रित करने तथा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए अलीगढ़ (ईएलजेएन) से कानपुर सेंट्रल (सीएनबी): परीक्षा स्पेशल को १३:४५ बजे रवाना किया गया। इस ट्रेन का ठहराव हाथरस, टूंडला, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, इटावा, भर्थना, फफूंद, झींझक, रूरा एवं पनकीधाम स्टेशनों पर निर्धारित किया गया। फिरोजाबाद से कानपुर सेंट्रल : परीक्षा स्पेशल को १३:४५ बजे रवाना किया गया। इस ट्रेन का ठहराव शिकोहाबाद, इटावा, भर्थना, फफूंद, झींझक, रूरा एवं पनकीधाम स्टेशनों पर निर्धारित किया गया। कानपुर सेंट्रल से बलिया १२ कोच की परीक्षा स्पेशल, गाड़ी संख्या ०५१५४ के रूप में, १२:५५ बजे प्रयागराज जंक्शन एवं प्रयागराज रामबाग के रास्ते रवाना की गई। फतेहपुर से सूबेदारगंज १२ कोच वाली मेमू परीक्षा स्पेशल १३:४० बजे रवाना की गई। इस ट्रेन का ठहराव खागा , सिराथू एवं भरवारी स्टेशनों पर निर्धारित किया गया। परीक्षार्थियों की भीड़ को नियंत्रित करने तथा यात्रियों की निकासी सुगम बनाने के लिए विभिन्न स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए गए। इटावा स्टेशन पर गाड़ी संख्या १८१०२, १२३२४, १५४८४ एवं ०२४५८ के माध्यम से परीक्षार्थियों को परीक्षार्थियों को भेजा गया। प्रयागराज जंक्शन पर गाड़ी संख्या १५१६० के माध्यम से प्रयागराज रामबाग की ओर तथा गाड़ी संख्या ०४०९६ के माध्यम से प्रयागराज रामबाग की दिशा की ओर जाने वाले यात्रीयों को भेजा गया। मिर्जापुर स्टेशन पर गाड़ी संख्या ०१४३२ के माध्यम से यात्रियों को भेजा गया।

रेल प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा, सुरक्षित यात्रा एवं स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे रेलवे द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा यात्रा के दौरान रेलवे प्रशासन एवं रेलवे सुरक्षा बल के जवानों का सहयोग करें।

डीएम ने परीक्षा केंद्रोंका किया निरीक्षण

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-२०२६ को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत डीम मनीष कुमार वर्मा ने शनिवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज, सीएवी इंटर कालेज सहित कई विद्यालयों में बनाये गये परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियुक्त सेक्टर मजिस्टेट्रुटों को परीक्षा अवधि के दौरान अपने सेक्टर के परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा को सकुशलढंग से सम्पन्न कराने एवं परीक्षा की समाप्ति के उपरांत परीक्षा सामग्री को जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

मंत्रोच्चार एवं जयकारोंके साथ राजगद्दीपर विराजे प्रभु श्रीराम

श्री पजावाकी ओरसे रामलीला मैदानमें हुआ श्री रामका राज्याभिषेक

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से रामलीला के मंचन में शनिवार को प्रभु श्रीराम राजगद्दी पर विराजे। इस मंत्रोच्चार एवं जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।



अतरसुइया स्थित रामलीला मैदान में भव्य राजगद्दी समारोह रात आठ बजे हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मध्य क्षेत्र संस्कृति केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा ने भगवान की आरती की। जिसके बाद भक्ति भजन संध्या में मुंबई के गायक एवं इंडियन आइडल में सहभागिता कर चुकी राधा श्रीवास्तव एवं अमित रंजन श्रीवास्तव ग्रुप ने सुंदर-सुंदर प्रभु श्री राम के भजनों की प्रस्तुति की गई। साथ ही पूजा अग्रवाल एवं ग्रुप ने भक्ति भजन पर नत्य की मोहक प्रस्तुति प्रस्तुत दी। भजन में विशेष रूप से युग रामराज का आ गया..., रात श्याम सपने में आए मटकी छलकी..., हर हर गंगे..., मेरे घर राम आए हैं... आदि भजनों की प्रस्तुति हुई। साथी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद श्री राम की आरती के साथ ११ ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के साथ प्रभु श्री राम का राज्य तिलक समारोह सम्पन्न हुआ। कमेटी की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेश चंद टंडन, राजगद्दी संयोजक मोहन जी टंडन, कोषाध्यक्ष अमिताभ टंडन, वित्तमंत्री सचिन कुमार गुप्ता, लीला संयोजक राजेश मल्होत्रा, रवि ओझा, गिरीशंकर प्रभाकर, रवि गुप्ता, रोहन पांडे, सागर पांडे आदि मौजूद रहे।

चौदह बरस बाद अयोध्या लौटे श्रीराम, राज्याभिषेकसे छाया उल्लास

श्रीपथरचट्टी रामलीला कमेटीकी ओरसे भव्यताके साथ मनाया गया राम राज्याभिषेक महोत्सव

चौदह वर्षों के १४ वर्षों के वनवास के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ सकुशल अयोध्या लौटे राम के प्रेम में सराबोर अयोध्या वासियों के जीवन की सबसे बड़ी खुशी हासिल हुई जब अयोध्या के सिंहासन पर प्रभु श्रीराम विराजे। शनिवार को पथरचट्टी परिसर में राम राज्यभिषेक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी के अद्भुत शोभायमान मंच पर गुरु वशिष्ठ ने अलौकिक राज सिंहासन पर राम को विराजमान होने का संकेत दिया। फिर उन्होंने ने राम के सर पर अयोध्या का राजमुकुट रख कर उन्हें राजा घोषित कर दिया। मंच पर अयोध्या का राज परिवार, तीनों रानियाँ, तथा राम के युद्ध के सहभागी रहे सुग्रीव, जामवंत, अंगद, नल., नील तथा सारे वानर वीर अपनी वेशभूषा में विरामजान थे। पथरचट्टी कमेटी के इस उत्सव में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे तथा कृष्णकुमार सारस्वत लाल अग्रवाल, व्यवस्थापक धर्मेंद्र कुमार भइया जी, मीडिया प्रभारी लल्लूलाल गुप्त सौरभ, कन्हैयालाल गुप्ता, रमेश कुमार जायसवाल, आदि कमेटी के लोगों ने राजा राम की आरती की।



ब्राह्मणों ने वेदमंत्रों से राम की स्तुति की। श्री राम ने सभी वरिष्ठ जनों को प्रणाम किया। माताओं की चरण वंदना की। राम के वामभाग में सीता महारानी के रूप में अतुलित शोभा पा रही थीं। जिसके बाद भजनों की श्रृंखला में राम का यशोगान हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रोताओं को भरपूर आनंद दिया। इस मौके पर विजय वैश्य, राजीव गुप्त बिट्टू, राजेश पाण्डेय, राजेश वैश्य एडवोकेट, सुनील बाजपेई, पं. सुधीर शर्मा, उमालाल पांडेय, प्रदीप गुप्ता, दिनेश सिंह आदि के साथ कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सर्वप्रथम सद्गुरु भगवान श्री राम रतन दास जी महाराज फलाहारी बाबा ने राजा राम की आरती उतारी, फिर न्यायमूर्ति अशोक कुमार, वरिष्ठ विद्युत नगरीय वितरण मण्डल ने भगवान की आरती की। कमेटी के अध्यक्ष पं. मुकेश पाठक, महामंत्री विजय सिंह, कोषाध्यक्ष गिरधारी दशहरा महोत्सव का समापन के घोषणा की। इस मौके पर महापौर, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव, महामंत्री जितेंद्र गौड़, मुन्ना आजाद, ओम प्रकाश चौधरी, अरविंद पाण्डेय, राजू, हीरालाल यादव, पंचू यादव, राहुल यादव, विक्कू निषाद, संजय पाठक, विकास मिश्रा, रिंकू शुक्ला, झब्बू पाल, सूरज निषाद, शिबू सोनी, कन्हैया चौरसिया, राबिन पालीवाल, विकास वर्मा, पवन यादव, कौशलेश पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

दोपहर बाद रैंप मार्ग बंद होनेसे मरीज परेशान,नोटिस चस्पा

इलाज एवं जांचके लिए स्ट्रेचरसे आने-जाने वाले मरीजोंको मुख्य गेटका लगना पड़ता है चक्कर

एसआरएन अस्पताल के सुपरस्पेशियालिटी विंग (पीएमएसएसवाई) में ओपीडी का समय खत्म होते ही मरीजों के लिए मुसीबत खड़ी हो जा रही है। अस्पताल प्रशासन द्वारा दोपहर दो बजे के बाद रैंप वाले मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया जा रहा है। जिससे अन्य वार्डों से इलाज एवं जांच के लिए आने जाने बंद होने के बाद से ही रैंप वाले मार्ग को बंद कर दिया जाता है। इससे अस्पताल के किसी वार्ड में पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में इलाज एवं जांच के लिए स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर आने-जाने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ गयी है। मरीजों की सुविधा के लिए रैंप से होते हुए दूसरे गेट से मरीज अंदर चले जाते हैं लेकिन गेट पर सुबह नोटिस चस्पा दी गयी है कि गेट सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक ही खुला रहेगा। कर्मचारियों के अनुसार पीएमएसएसवाई बिल्डिंग की एसी का तापमान बनाए रखने के लिए गेट बंद कर दिया जाता है। केवल मुख्य गेट से मरीज आते-जाते हैं। गेट के बंद रहने से इमरजेंसी में लोगों को बाहर निकलना मुश्किल होता है।

निराला चौराहेपर गले मिले श्रीराम सहित चारों भाई, बहे अश्रु

भरत मिलाप देखनेके लिए उमड़े लोग, नागवासुकि मंदिरमें श्रीरामका राजतिलक देख हर्षित हुए अयोध्यावासी

श्री दारागंज रामलीला कमेटी की ओर से रविवार को भरत मिलाप, स्मारिका विमोचन, राजगद्दी समारोह धूमधाम के साथ रामलीला सम्पन्न हुई। निराला चौराहे पर भरत मिलाप का प्रसंग देख लोग भावुक हो गयी। जैसे ही श्रीराम ने भरत और लक्ष्मण ने शत्रुघ्न को गले लगाया, वैसे ही चारों भाइयों के साथ लोगों की भी आंखें डबडबा गयी। भरत मिलाप के बाद अयोध्यापुरी(नागवासुकि मंदिर) में भगवान राम का राजतिलक हुआ, वैसे ही पूरी अयोध्या हर्षित हो उठी। जयश्री राम के उद्घोष से पूरा नागवासुकि क्षेत्र गुंजायमान हो गया।

सर्वप्रथम सुबह भगवान की सवारी संगम के लिए श्रृंगार भवन से अपने दलबल गाजे बाजे के साथ निकली। नाव से संगम पहुंचने पर भगवान ने स्नान किया। वहां उपस्थित प्रयागवाल, गंगा पुत्र एवं निषाद समाज ने कठौथा में उनके पैर पखारकर उनका पूजन-अर्चन एवं आरती की। उसके पश्चात रास्ते भर भगवान मंदिरों और क्षेत्रीय नागरिकों के द्वारा पूजन आरती ग्रहण करते हुए श्रृंगार भवन पहुंचे।

रात्रि आठ बजे सर्वप्रथम भरत और शत्रुघ्न जी की सवारी रथ पर विराजमान होकर पंडित लोकनाथ भारद्वाज के आवास पहुंची।वहां पर पूजन अर्चन स्वीकार कर भरत-शत्रुघ्न निराला चौराहे पर भरत मिलाप के लिए पहुंचे। दूसरी तरफ प्रभु श्री राम-लक्ष्मण, माता जानकी और हनुमान जी रथ पर विराजमान होकर श्रीराम शर्मा, पंडित कृष्ण चंद्र राय के आवास पर पहुंच कर पूजा स्वीकार कर गंगा तट से होते हुए थाना दारागंज के पास से निराला चौराहे पहुंचे। वहां पर लीला संयोजक, पंडित सियाराम शास्त्री के निर्देशन में मोहक भरत मिलाप की लीला हुई। जिसको देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गई। भरत मिलाप के पश्चात निराला रोशनी मंडल के सोनू गुप्ता के



नेतृत्व में भगवान का आरती की गयी और लोगों को प्रसाद बांटा गया। तत्पश्चात स्मारिका के ५०वे अंक का विमोचन संयोजक, पुरुषोत्तम लाल, राजा वर्मा के नेतृत्व में भगवान के चरणों में रखकर किया गया। देर रात तक निराला चौराहे पर सांस्कृतिक आयोजन एवं सम्मान समारोह होते रहे। जिसके बाद राजगद्दी समारोह के लिए भगवान की सवारी निराला मार्ग, माधव मंदिर,पंडित धर्मराज पाण्डेय चौराहा, बड़ी कोठी से होते हुए नाग वासुकि मंदिर, अयोध्यापुरी पहुंची। वहां जनता जनार्दन अयोध्यापुरी में पुष्प वर्षा कर प्रभु श्री राम का स्वागत किया। मंदिर के पुजारी पंडित श्यामधर त्रिपाठी ने भगवान का आरती पूजन कर उनको राजगद्दी पर विराजमान कराया। कमेटी के मीडिया प्रभारी तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया ने इस वर्ष की रामलीला

